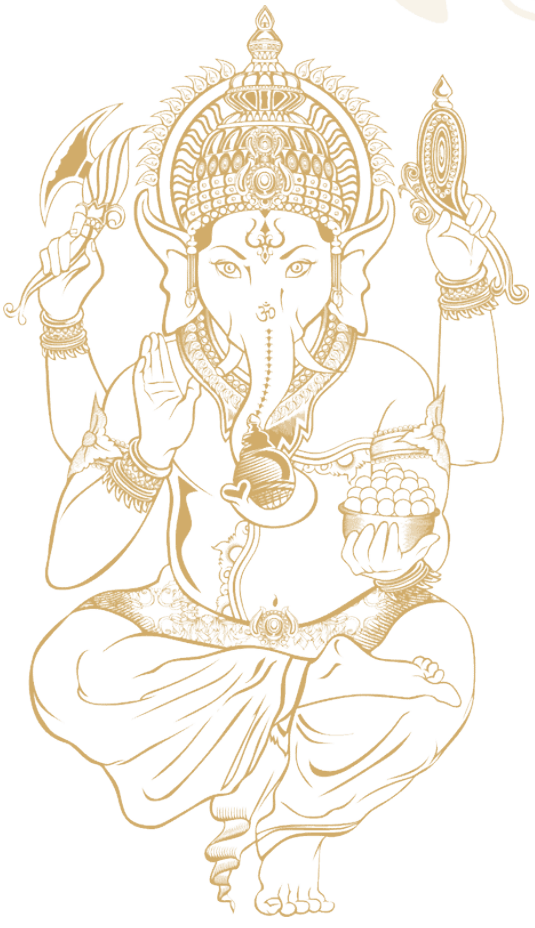

Mr.Avant Agrawal

Ms.Monu Agrawal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119882202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/03/1994	जन्म तिथि	13/03/1995
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 23:13:00	जन्म समय	16:39:00 घंटे
घटी 42:22:54	जन्म समय(घटी)	25:55:11 घटी
India	देश	India
Rajnandgaon	स्थान	Balangir
21:05:00 उत्तर	अक्षांश	20:43:00 उत्तर
81:05:00 पूर्व	रेखांश	83:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:05:40	स्थानिक संस्कार	00:03:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:50	सूर्योदय	06:07:15
18:14:27	सूर्यास्त	18:04:30
23:46:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:35

विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 10मा 1दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 3वर्ष 10मा 3दि
सूर्य	08:51:28	वृश्चि	लग्न	सिंह	09:33:46	शुक्र
14/01/2025	00:08:05	मीन	सूर्य	कुंभ	28:36:55	14/01/2023
14/01/2031	26:59:26	मीन	चंद्र	कर्क	13:58:14	14/01/2043
सूर्य 03/05/2025	11:56:41	कुंभ	मंगल व	कर्क	20:10:16	शुक्र 16/05/2026
चन्द्र 02/11/2025	02:54:31	कुंभ	बुध	कुंभ	04:11:21	सूर्य 16/05/2027
मंगल 10/03/2026	20:33:43	तुला व	गुरु	वृश्चि	21:01:41	चन्द्र 14/01/2029
राहु 01/02/2027	13:51:06	मीन	शुक्र	मक	18:38:16	मंगल 16/03/2030
गुरु 21/11/2027	11:35:27	कुंभ	शनि	कुंभ	22:07:34	राहु 16/03/2033
शनि 02/11/2028	03:27:54	वृश्चि व	राहु व	तुला	14:11:25	गुरु 15/11/2035
बुध 08/09/2029	03:27:54	वृष व	केतु व	मेष	14:11:25	शनि 14/01/2039
केतु 14/01/2030	01:39:06	मक	हर्ष	मक	05:33:01	बुध 14/11/2041
शुक्र 14/01/2031	29:05:53	धनु	नेप	मक	01:11:57	केतु 14/01/2043
	04:14:30	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:47:12	

लग्न-चलित

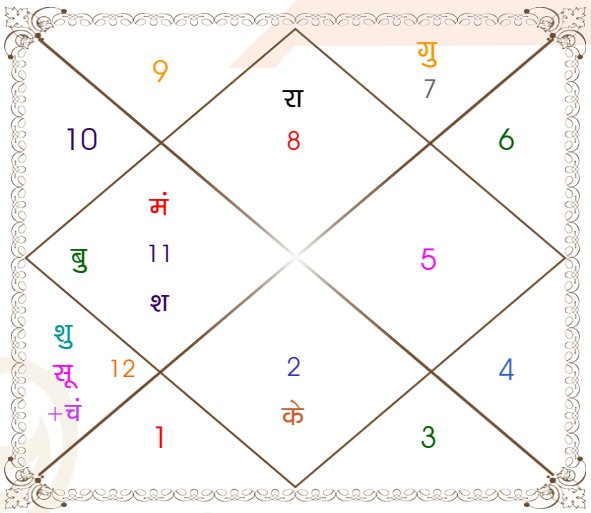

लग्न-चलित

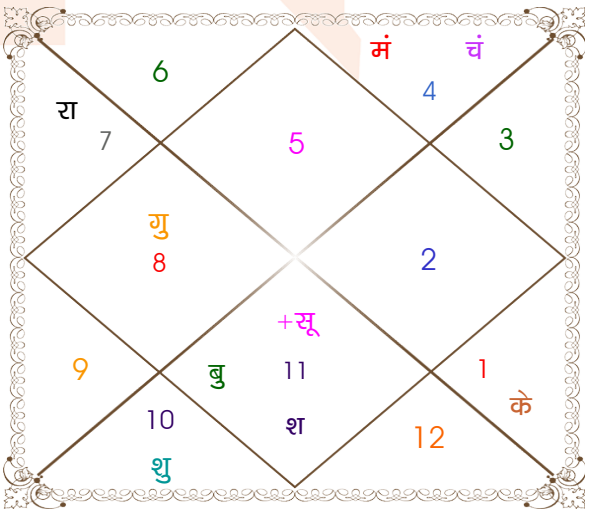

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण ।अंदज ।हतूंस का वर्ग सिंह है तथा डेण्डवदन ।हतूंस का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।अंदज ।हतूंस और डेण्डवदन ।हतूंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।अंदज ।हतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

डेण्डवदन ।हतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्डवदन ।हतूंस कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्डवदन ।हतूंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेण्डवदन ।हतूंस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्डवदन ।हतूंस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतप ।अंदज ।हतूंस तथा डेण्डवदन ।हतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।